RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : गुरूवार 06 जून 2024 | वर्ष 06 | अंक 49 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

नितिन गडकरी हो सकते हैं पीएम - संघ में मंथन !

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में हार की ली जिम्मेदारी

डिप्टी सीएम के पद से इस्तीफा देने की पेशकश की

मुंबईः लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ए‘ल्लं३ँ र्ॅल्ली को अपना इस्तीफा देने की पेशकश की। फडणवीस ने आज मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने फैसले की घोषणा की। अपने इस्तीफे की पेशकश करते हुए उन्होंने कहा कि वह राज्य में भगवा पार्टी की विफलता के लिए पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने भविष्य में पार्टी संगठन के लिए काम करने की पुष्टि की। फडणवीस ने अपने संबोधन में कहा, ‘‘मैं महाराष्ट्र में ऐसे नतीजों की जिम्मेदारी लेता हूं। मैं पार्टी का नेतृत्व कर रहा था।मैं भाजपा आलाकमान से अनुरोध करता हूं कि मुझे सरकार की जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए ताकि मैं आगामी चुनावों में पार्टी के लिए कड़ी

मेहनत कर सकूं।’’’ पार्टी के खराब प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए और फिर से जनता के बीच आने के लिए नई रणनीति बनाने का आश्वासन देते हुए फडणवीस .

फडणवीस ने कहा, ‘‘...महाराष्ट्र में जो पराजय हुई, हमारी सीटें कम हुईं, इसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मैं इस जिम्मेदारी को स्वीकार करता हूं और जो कमी है, उसे पूरा करने की कोशिश करूंगा। मैं भागने वाला आदमी नहीं हूं (मैं भागने वाला आदमी तो हूं नहीं)... हम नई रणनीति तैयार करेंगे और नई रणनीति तैयार करने के बाद हम जनता के बीच जाएंगे...’’’ भाजपा की महाराष्ट्र टॅ१ २ॅ३१ इकाई की एक बैठक आज मुंबई में हुई, जिसके एक दिन पहले पार्टी ने राज्य में नौ लोकसभा सीटें जीतीं, जहां 2019 के संसदीय चुनावों की तुलना में इसकी संख्या 14 कम हो गई।उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले और राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण बैठक में शामिल होने वाले नेताओं में शामिल थे। बैठक के दौरान पार्टी के प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया और उससे संबंधित चर्चा की गई।

2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा ने महाराष्ट्र में 23 सीटें जीती थीं। इस बार, भाजपा और सहयोगियों ने राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से 17 सीटें जीतीं, 2019 की तुलना में भाजपा की संख्या आधे से भी कम रह गई, जबकि कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने 48 में से 30 सीटें जीतीं।भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए महाराष्ट्र में 45 से अधिक सीटें हासिल करने के अपने लक्ष्य से काफी पीछे रह गया, उसे सिर्फ 17 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने 13 सीटें जीतीं, जो 2019 में राज्य में जीती गई एकमात्र सीट से काफी बड़ी छलांग है, जबकि शिवसेना (यूबीटी) ने नौ और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को आठ सीटें मिलीं।

बीजेपी की टिकट पर हारने के बाद क्या करेंगी नवनीत राणा?

एक पोस्ट में दे दिया बड़ा संकेत...

महाराष्ट्र : देश भर में लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद कही खुशी तो कही गम का माहौल है. रिजल्ट में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिल चुका है. हालांकि महाराष्ट्र में एनडीए का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है और इस पर सियासी बहस छिड़ी है. इस बीच अमरावती लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने वाली नवनीत राणा को हार का मुंह देखना पड़ा है. हालांकि उन्होंने चुनाव परिणाम पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्हें मिले वोटों पर गर्व है.

बीजेपी नेता नवनीत राणा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, ’’मैंने यह चुनाव पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के नेतृत्व में लड़ा, मुझे मिले वोटों पर मुझे गर्व है. मैं अंत तक पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी में एक कार्यकर्ता के रूप में काम करती रहूंगी’’.

कांग्रेस के बलवंत वानखेड़े ने नवनीत राणा को हराया

कांग्रेस के बलवंत वानखेड़े ने पूर्वी महाराष्ट्र के अमरावती लोकसभा क्षेत्र से मौजूदा सांसद और बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा को 19,731 वोटों से हराया. वानखेड़े को राणा के खिलाफ 5,26,271 वोट मिले. वहीं, नवनीत राणा ने 5,06,540 वोट हासिल किए. महाराष्ट्र में महायुति को कुल 17 सीटों पर जीत मिली है. इसमें बीजेपी को 9 सीट हासिल हुई है. जबकि महाविकास अघाड़ी को 30 सीटों पर जीत मिली.

मीरा रोड की महिला से 42 लाख की जबरन वसूली करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मीरा रोड : मुंबई के एंटी एक्सटॉर्शन सेल विभाग ने मीरा रोड की 46 वर्षीय महिला को धमकाने और उससे 42 लाख रुपये की जबरन वसूली करने के आरोप में नागपाड़ा इलाके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता और उसके पति की पहली मुलाकात आरोपी मोहम्मद खान उर्फ इमरान कालिया से दुबई में हुई थी, जहां वे दोनों मार्केटिंग सेक्टर में काम करते थे। कालिया ने महिला को आकर्षक मुनाफे का वादा करके सोने के कारोबार में निवेश करने के लिए राजी किया। उसने मीरा रोड में अपना घर बेच दिया और ‘कारोबार’ में निवेश कर दिया।

महीनों बाद, जब शिकायतकर्ता ने कालिया से मुनाफे के लिए कहा, तो उसने बहाने बनाने शुरू कर दिए। कुछ आंशिक लेन-देन के बाद, कालिया ने बार-बार कहने के बावजूद कुछ भी भुगतान नहीं किया। जब शिकायतकर्ता ने उस पर पूरी रकम चुकाने का दबाव बनाया, तो कालिया ने उसे दुबई में रहने वाले उसके बच्चों को मारने की धमकी दी क्योंकि उसने दाऊद इब्राहिम के गिरोह से संपर्क होने का दावा किया था। उसने शिकायतकर्ता के साथ अपनी तस्वीरें अपने फोन पर प्रसारित करने की भी धमकी दी और उससे 50 लाख रुपये मांगे। उसने 32 लाख रुपये का भुगतान किया और 10 लाख रुपये ऑनलाइन उसके बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए।

बाद में, शिकायतकर्ता मुंबई आया और चेंबूर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। एक अधिकारी ने कहा, ह्लउसे डोगरी इलाके से गिरफ्तार किया गया, जहां वह छिपा हुआ था।ह्व उसे अदालत में पेश किया गया और 8 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी एक कुख्यात व्यक्ति है जो अपने बाहुबल का इस्तेमाल करके दक्षिण मुंबई में पुरानी जीर्ण-शीर्ण इमारतों को गिराने का ठेका लेता है। दाऊद के कनेक्शन की पुलिस जांच चल रही है।

पुणे पोर्श दुर्घटना: जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने 12 जून तक बढ़ाई नाबालिग की रिमांड

पुणे: जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने पुणे में पोर्श दुर्घटना में शामिल नाबालिग की रिमांड 12 जून तक बढ़ा दी है। पुणे पुलिस ने बोर्ड के समक्ष एक याचिका दायर करते हुए नाबालिग की हिरासत को 14 दिन के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया था। पुणे के एक निगरानी गृह में बंद 17 वर्षीय लड़के की रिमांड बुधवार को समाप्त हुई। जिसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने 12 जून तक बढ़ा दिया है।

पुणे क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने कहा, ह्लहमने जेजेबी के समक्ष एक आवेदन दायर कर पर्यवेक्षण गृह में उसकी हिरासत को 14 दिन के लिए बढ़ाने की मांग की थी।ह्व जानकारी के लिए बता दें कि महाराष्ट्र के पुणे शहर के कल्याणी

नगर में 19 मई को तड़के एक पोर्श कार की टक्कर लगने से दो आईटी पेशेवरों की मौत हो गई थी। कार को कथित रूप से एक नाबालिग चला रहा था जो उस वक्त शराब के नशे में था। जेजेबी ने घटना के कुछ घंटे बाद एक रियल एस्टेट डेवलपर के नाबालिग बेटे को जमानत दे दी थी और उसे सड़क सुरक्षा पर 300 शब्दों का निबंध लिखने के लिए कहा था। कड़ी आलोचना के बाद, पुलिस ने फिर से जेजेबी से संपर्क किया, जिसने आदेश में संशोधन किया और आरोपी को 5 जून तक निगरानी केंद्र में भेज दिया।

पुलिस ने नाबालिग के ब्लड सैंपल की उसकी मां के रक्त सैंपल से कथित अदला-बदली के आरोप में नाबालिग के पिता, मां, दो डॉक्टरों और सरकारी ससून जनरल अस्पताल के एक अन्य कर्मचारी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। घटना से संबंधित मामले में नाबालिग के दादा को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कथित तौर पर बिचौलिए के रूप में काम करने और आरोपी डॉक्टरों और नाबालिग के पिता के बीच वित्तीय लेनदेन कराने के आरोप में मंगलवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया है.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

अप्रत्याशित जनादेश...

आम चुनाव का जनादेश बेहद अप्रत्याशित रहा। बेशक भाजपा-एनडीए के पक्ष में स्पष्ट बहुमत लगता है, लेकिन भाजपा अपने बूते बहुमत के जादुई आंकड़े को छूती नहीं लगती। भाजपा अभी तक 243 सीटों पर विजयी रही है, जबकि मतगणना जारी थी। बहुमत के लिए कमोबेश 272 का आंकड़ा अपेक्षित है। दूसरी ओर कांग्रेस 97 सीटें जीती थी। यह आंकड़ा 2019 की 52 सीटों से लगभग दोगुना है। यह आलेख लिखने तक 'इंडिया' गठबंधन ने 228 सीटें जीत कर देश को चौंका दिया है। भाजपा को सबसे बड़ा झटका उप्र में लगा, जहां वह 70 से अधिक सीटें जीतने की रणनीति पर काम कर रही थी, लेकिन अब आंकड़ा 35 के करीब थमता लगता है। सपा और कांग्रेस 40 सीटों से भी आगे थीं। उप्र ने भाजपा की स्पष्ट जीत के तमाम समीकरण उलट दिए हैं। पार्टी नेतृत्व समझ ही नहीं पा रहा है कि आखिर उप्र में ऐसा झटका क्यों लगा? उप्र के अलावा पश्चिम बंगाल में 'दीदी' का करिश्मा एक बार फिर चला और भाजपा सबसे शानदार जीत हासिल करने में नाकाम रही है। ममता बनर्जी की पार्टी 'तृणमूल कांग्रेस' कुल 42 सीटों में से 32 सीट पर निर्णायक तौर पर आगे थी। राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों में भी, भाजपा के लिए, खूब उलटफेर हुए। तमिलनाडु और पंजाब में तो भाजपा 'शून्य' रही है। दक्षिण भारत की पहली उम्मीद केरल साबित होता लगता है, जहां भाजपा 2 सीटों पर आगे थी। अब की बार आंध्रप्रदेश, केरल में भाजपा का खाता खुलता लग रहा है। हालांकि तेलंगाना में भाजपा बेहतर प्रदर्शन करती लग रही है, लेकिन कर्नाटक का प्रदर्शन वैसा नहीं रहा, जिसकी अपेक्षा थी। आंध्रप्रदेश में तेलुगूदेशम पार्टी-भाजपा गठबंधन को विधानसभा में प्रचंड बहुमत मिला है, लिहाजा नए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू होंगे। बेशक गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड आदि राज्यों में भाजपा ने लगभग 'क्लीन स्वीप' किया है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा पहली बार बहुमत हासिल करने में नाकाम रही है।

अब भाजपा आत्ममंथन करेगी कि अयोध्या वाली संसदीय सीट पर उसका प्रत्याशी क्यों पराजित हो गया? क्या राम मंदिर से अधिक प्रभाव अन्य जातियों और मुद्दों का रहा? बहरहाल अकेली भाजपा न तो 370 का लक्ष्य हासिल कर पाई और 400 पार तो बहुत दूर की कौड़ी है। हम अपने आलेखों में जिक्र करते रहे हैं कि संविधान बदलने और लोकतंत्र खत्म होने सरीखे मुद्दों ने उप्र, राजस्थान, हरियाणा जैसे राज्यों के ग्रामीण अंचलों में लोगों को सोचने पर विवश किया था, लिहाजा वोट भाजपा के पक्ष में नहीं डाले जाएंगे। ऐसा ही कुछ हुआ है कि भाजपा पराजित हुई है। इनसे आरक्षण का मुद्दा भी शंकित हुआ।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

उनके अहंकार ने उन्हें रोका, 'सामना' के जरिए की मोदी की आलोचना...

मुंबई : लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद देशभर में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं. हालांकि एनडीए को बहुमत मिल गया है लेकिन बीजेपी को तगड़ा झटका लगा है. इसलिए इसे शुद्ध जीत नहीं कहा जा सकता. इसी पृष्ठभूमि में शिवसेना के मुखपत्र 'सामना'में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की आलोचना की गई है. देश की जनता ने अहंकारी मोदी और उनके अमित शाह को अलविदा कह दिया है. मोदी पर यह कहकर बंदूकें चलाई गईं कि उनके अहंकार को रोक दिया गया है. इस प्रस्तावना में यह चेतावनी भी दी गई है कि अगर सत्ता बरकरार रखने के लिए दोबारा भ्रष्टाचार का रास्ता अपनाया गया तो लोग सड़कों पर उतरकर दंगा करेंगे.

देश में लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत हुई है. यह देश के जीवन में परम आनंद का क्षण है। खुद को भगवान का अवतार मानने वाले नरेंद्र मोदी को भारत की जनता ने हरा दिया है. कहना होगा कि यह तानाशाही और अंधराष्ट्रवाद पर लोकतंत्र की जीत है। इस पहले पन्ने से यह हमला किया गया है कि नरेंद्र मोदी के 'चारशे पार'के नारे को सूखे आडू की तरह उड़ा दिया गया है.

खुद को भगवान का अवतार मानने वाले नरेंद्र मोदी को भारत की जनता ने हरा दिया है. कहना होगा कि यह तानाशाही और अंधराष्ट्रवाद पर लोकतंत्र की जीत है। चारशे पार'का नारा सूखे आडू की तरह उड़ गया है. जनता संप्रभु है. भारत ने दिखाया है कि लोकतंत्र के रक्षक अंततः लोग ही हैं। चार सौ सीटें चुनें. नहीं, चार सौ सीटों पर चुनाव करने का यह अहंकार आखिरकार भारतीय जनता द्वारा कुचल दिया गया। वाराणसी में ही जब नरेंद्र मोदी शुरू में पिछड़ गए तो जाहिर हो गया कि भगवान हैं. नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने भारत को जेल बना दिया. लोगों को स्वतंत्र रूप से बोलने और कार्य करने की भी स्वतंत्रता नहीं थी। इसके खिलाफ बोलने वालों को सीधे जेल में डाल दिया गया। दिल्ली, झारखंड के मुख्यमंत्रियों को सीधे जेल में डालने वाले मोदी-शाह ने भारतीय जनता पार्टी की 'वॉशिंग'मशीन बना दी. देश की सभी पार्टियों के भ्रष्ट नेताओं को भाजपा में लाकर 'आएगा तो मोदी ही'का नारा देने वालों को जनता ने जगह दी। लोकसभा चुनाव का नतीजा जनादेश है. क्या नरेंद्र मोदी इस जनादेश का सम्मान करेंगे?

मोदी के अहंकार को रोकने का काम महाराष्ट्र ने किया

पहला तथ्य तो यह है कि भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है और तथाकथित 'एनडीए'का बहुमत का आंकड़ा कगार पर है. यानी जो मोदी 'चर्चे पार'रथ पर सवार होना चाहते हैं, उन्हें रिक्शे में बैठकर रायसीना हिल का चक्कर लगाना होगा. देश की तस्वीर साफ है. उत्तर प्रदेश में जहां मोदी राम मंदिर की राजनीति कर खुद को हिंदुओं के नए शंकराचार्य के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे थे, वहां मोदी और बीजेपी को सबसे बड़ा झटका लगा है. समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 40 सीटें जीतीं. अमेठी में स्मृति ईरानी आखिरकार राहुल गांधी के सामान्य कैडर से हार गईं. रायबरेली में राहुल गांधी खुद जीते. आखिरकार उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र ने मोदी के अहंकार को रोकने का काम किया. मोदी-शाह ने शिवसेना और एनसीपी को तोड़कर गंदी राजनीति की. मराठी लोगों ने यह भ्रम तोड़ दिया कि महाराष्ट्र में शिवसेना-राष्ट्रवादियों में फूट डालकर एकतरफा जीत हासिल की जा सकती है.

उद्धव ठाकरे ने कहा, लोगों ने अपनी लोकतांत्रिक ताकत दिखाई

मुंबई : शिवसेना-यूबीटी और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि भारत की जनता ने चुपचाप अपनी लोकतांत्रिक ताकत दिखाई है और यह स्पष्ट संदेश दिया है कि शासक चाहे कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, जनता उन्हें परास्त कर सकती है। ठाकरे ने यह भी कहा कि केंद्र में अगली सरकार बनाने के लिए भारतीय ब्लॉक के प्रयासों के तहत उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात की है और जल्द ही अन्य दलों के नेताओं से भी बात करेंगे। उन्होंने कहा, ''जनता ने अपनी खामोश ताकत दिखाई है... चुनाव परिणामों ने दिखाया है कि शासक चाहे खुद को कितने भी शक्तिशाली क्यों न समझें, जनता उन्हें परास्त कर सकती है।

अघाड़ी (एमवीए) के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि हालाँकि यह बहुत अच्छा रहा है, लेकिन कम से कम 3-4 सीटों का सुधार किया जा सकता था। मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र में बदलते परिदृश्य का जिक्र करते हुए, जहां अंतिम दौर में परिणाम उतार-चढ़ाव वाले रहे, ठाकरे ने कहा कि पार्टी इसे चुनौती देगी। ''यह हमारे संघर्ष की शुरूआत है। हमारी पार्टी, नाम और चुनाव चिह्न छीन लिए गए.... फिर भी उन्हें चुनावों में मेरे पिता (दिवंगत बालासाहेब ठाकरे) की तस्वीरों का इस्तेमाल करना पड़ा,'' उन्होंने कहा।

जनता दल-यू के अध्यक्ष और बिहार के सीएम नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू के भारत गठबंधन में शामिल होने की संभावना के बारे में पूछे गए सवाल पर ठाकरे ने कहा: ''सभी संभावनाएं खुली हैं।''- उन्होंने कहा, ''नीतीश कुमार और नायडू दोनों को भाजपा ने बहुत परेशान किया.... मैं उनके रुख को लेकर आशावादी हूं। यहां तक कि ममता बनर्जी ने भी भाजपा की गंदी राजनीति का सामना किया है.... लेकिन वह पहले से ही हमारे साथ हैं।''

मुंबई के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश हुई

मुंबई : मुंबई के दादर, चेंबूर, कांदिवली, गोरेगांव, बोरिवली आदि इलाकों में प्री-मानसून की भारी बारिश हुई। प्री-मानसून बारिश के आने से शहर के लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर के दादर और कांदिवली इलाकों में लगभग 4 मिलीमीटर बारिश हुई है। इस बीच, भारी बारिश के कारण माटुंगा के गांधी मार्केट और चेंबूर के कुछ इलाकों में जलभराव हो गया।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर में भारी बारिश फ्रंट्ल हो रही है, जिससे अगले 3-4 दिनों तक गरज के साथ बारिश और बिजली चमकने का अनुमान है। आईएमडी के पूवार्नुमान के अनुसार, मुंबई में दक्षिण-पश्चिम मानसून समय पर आएगा और 10 जून के आसपास शहर में दस्तक देगा।

सोमवार को भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा था कि दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों और कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। आईएमडी ने एक्स पर पोस्ट किया, ''दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के कुछ हिस्सों और पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में आज 3 जून को आगे बढ़ा।

इसने आगे कहा कि दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। इसमें कहा गया है, ''अगले 4-5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के शेष भागों, दक्षिण छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा के कुछ भागों, पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

उपमुख्यमंत्री पद से फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश पर आई CM शिंदे की प्रतिक्रिया...

महाराष्ट्र : मंगलवार को लोकसभा चुनाव का परिणाम चुनाव आयोग ने घोषित किया। इसके बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सीएम एकनाथ शिंदे को उन्हें राज्स सरकार से मुक्त करने का प्रस्ताव दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हार के पहलुओं पर विचार करने और सुधार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विपक्ष के झूठे दावों का मुकाबला करने में वे असफल रहे हैं। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश की 48 लोकसभा सीट में से एनडीए को सिर्फ 17 सीटें मिलीं। जिसमें भाजपा को 9, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) को 7 और एनसीपी (अजित पवार) को 1 सीट मिली है। वहीं इंडी ब्लॉक महाराष्ट्र में 30 सीटों पर विजयी रही। इस हार के बाद उपमुख्यमंत्री ने हार की जिम्मेदारी ली और अपने पद से इस्तीफा देने की बात कही।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवींस के इस्तीफा देने की बात से पार्टी को भी बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र में भाजपा और पार्टी की स्थिति देखने के बाद उपमुख्यमंत्री ने यह फैसला किया है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैं देश की जनता को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने पीएम मोदी को तीसरी बार पीएम बनने के लिए अपना आशीर्वाद दिया। महाराष्ट्र में हमें अपेक्षित नतीजे प्राप्त नहीं हुए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को जो झटका लगा उसकी पूरी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। क्योंकि पार्टी का नेतृत्व मैं कर रहा था। मैं विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में भाजपा को पूरा समय देना चाहता हूं। मैं भाजपा के आलाकमान से अनुरोध कर रहा हूं कि वे मुझे सरकार की जिम्मेदारियों से मुक्त करें। ताकि मैं आगामी चुनाव के लिए कड़ी मेहनता कर सकूं।

उनके इस बयान के बाद से ही पार्टी के अन्य नेताओं ने प्रतिक्रियाएं देना शुरू कर दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने ही बयान के बाद कहा कि चुनावी हार सामूहिक जिम्मेदारी है, तीनों पार्टियों ने मिलकर चुनाव में काम किया। हम सामूहिक रूप से विपक्ष का सामना करने में विफल रहे हैं। वोट शेयर देखा जाए तो मुंबई में महायुती को 2 लाख से ज्यादा वोट मिले हैं। उन्होंने कहा कि हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी। पिछले दो सालों में सरकार ने राज्य में कई अच्छे काम भी किए हैं। मैं खुद देवेंद्र फडणवीस से बात करूंगा, हम आगे भी साथ मिलकर काम करते रहेंगे। वहीं शिवसेना के नवनिर्वाचित सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने कहा कि एनडीए ने हर जगह अच्छा प्रदर्शन किया। परिस्थितियों कभी स्थायी नहीं होती हैं। आने वाले समय में स्थिति बदलेगी। हम बेहतर प्रदर्शन करेंगे, जो गलतियां हमने की हैं, उनका विश्लेषण करेंगे और अगली बार मजबूती से जीतेंगे। उप मुख्यमंत्री के इस्तीफे की बात पर मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र में सीटें कम आने की जिम्मेदारी ली है, वे सरकार में बने रहेंगे और संगठन के साथ काम की करेंगे। भाजपा नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि यह उनका निजी बयान था। कोर रूम में इस बारे में (फडणवीस के इस्तीफे के बारे में) कोई चर्चा नहीं हुई। केंद्रीय नेतृत्व इस पर फैसला करेगा।

उप मुख्यमंत्री के देवेंद्र फडणवीस ने बयान पर विजय वडेट्टीवर ने कहा कि भाजपा का आंतरिक मामला है। हमें इस पर कुछ बोलने की जरूरत नहीं है। जनता ने भाजपा को नकारा है। केंद्र और राज्य दोनों जगह वे विफल रहे हैं। अगर वे जिम्मेदारी ले रहे हैं, तो उनकी पार्टी फैसला लेगी। देवेंद्र फडणवीस राज्य में भाजपा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, यदि वे जीत का श्रेय लेने के लिए तैयार थे तो हार की जिम्मेदारी भी उन्हें लेनी चाहिए।

श्रीसूर्या इन्वेस्टमेंट घोटाले में 38 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

नागपुर : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मल्टी-लेवल मार्केटिंग घोटाले के सिलसिले में 38.33 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियां जब्त की हैं। ये संपत्तियां महाराष्ट्र और गोवा के कई हिस्सों में स्थित हैं। नागपुर, अमरावती, अकोला और मडगांव जिलों में स्थित ये संपत्तियां श्रीसूर्या निवेश घोटाले में शामिल आरोपी समीर जोशी और उसके सह अभियुक्त से जुड़ी हुई थीं। जांच एजेंसी ने इन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जब्त किया है।

नागपुर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर से पता चला है कि जोशी ने हिंदू अविभाजित परिवार द्वारा प्रचारित एक योजना के माध्यम से भारी रिटर्न का वादा करके कथित तौर पर जनता को धोखा दिया। ईडी के अनुसार, समीर ने झूठे आश्वासनों के साथ जनता को लुभाने के बाद निवेशकों को ठगा और सार्वजनिक धन का इस्तेमाल अपने नाम, अपने परिवार के सदस्यों या व्यावसायिक संस्थाओं के नाम पर संपत्तियां हासिल करने के लिए किया। ईडी ने यह भी दावा किया कि जोशी ने योजना के लाभों के बारे में भ्रामक विज्ञापन दिए। कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा दायर आरोपपत्रों के अनुसार, कुल 1,267 निवेशकों को 105.05 करोड़ रुपये का चूना लगाया गया। इसके अलावा, सेबी ने जोशी के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की है। श्रीसूर्या समूह ने कमीशन एजेंट नियुक्त किए थे, जिन्हें निवेशकों द्वारा किए गए निवेश पर 3-7 प्रतिशत कमीशन मिलता था। ये एजेंट नए और वास्तविक निवेशकों से अधिकतम निवेश जुटाने के लिए 'निवेशक सम्मेलन' आयोजित करते थे। आगे की जांच जारी है।

अनाधिकृत होर्डिंग्स के कारण कल्याण-डोंबिवली नगर पालिका के 254 करोड के राजस्व पर पानी फिर गया?

शहरों की मुख्य सड़कों पर 96 अवैध होर्डिंग

कल्याण: कल्याण डोंबिवली नगरपालिका सीमा में मुख्य व्यस्त सड़कों पर कुल 96 विशाल आकार के अवैध होर्डिंग्स हैं। ये होर्डिंग्स नगर निगम सीमा के भीतर करीब दो लाख 82 हजार 554 वर्ग फीट क्षेत्र को कवर करते हैं। इन होर्डिंग्स के लिए नगर पालिका द्वारा ली जाने वाली एक से पांच साल की फीस और उस पर लगने वाली जुमार्ना राशि को ध्यान में रखते हुए, इन अवैध होर्डिंग्स (विज्ञापन बोर्ड) लगाने वाली एजेंसियों ने पिछले कई वर्षों में नगर पालिका को लगभग 254 करोड़ 30 लाख का नुकसान पहुंचाया है। साल। इस मामले में याचिकाकर्ता कमिश्नर डॉ. कौस्तुभ गोखले ने मांग की है कि इन सबके लिए जिम्मेदार एजेंसी चालकों, नियंत्रक नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए. इंदुरानी जाखड़ के साथ किया गया है. इन सड़कों पर लगे अवैध होर्डिंग्स प्राकृतिक आपदाओं के कारण गिर रहे हैं और आम लोगों की मौत हो रही है. घाटकोपर में हुई होर्डिंग घटना से यह स्पष्ट है। शिकायतकर्ता गोखले ने आयुक्त से मांग की है कि कल्याण डोंबिवली नगर निगम सीमा में अवैध होर्डिंग्स को दुर्घटना के बाद होर्डिंग्स चलाने से पहले हटाया जाना चाहिए। चूंकि शिलपाटा रोड पर ऐसे होर्डिंग्स हैं, इसलिए एमएसआरडीसी से ऐसे होर्डिंग्स को खोजने के लिए कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

नवी मुंबई में सड़क पर भीख मांगने की किश्त देने से इनकार करने वाले तीसरे पक्ष पर जानलेवा हमला...

नवी मुंबई : नवी मुंबई के घनसोली इलाके की एक सड़क पर कुछ तीसरे लोग भीख मांग रहे थे. हालाँकि, जैसे ही स्थानीय गुंडों द्वारा भिक्षा माँगने पर किश्तों का भुगतान करने की मांग को अस्वीकार कर दिया गया, तीन तीसरे पक्षों को बेरहमी से पीट-पीट कर मार डाला गया। इस मामले में रबाले पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने आरोपियों को जंजीरों में जकड़ लिया है और एक आरोपी की तलाश की जा रही है.

आरोपियों के नाम योगेश उर्फ परशुराम नीलकंठ, प्रतीक कांबले और उनका एक साथी है, जो ठाणे बेलापुर मार्ग पर घनसोली स्टेशन के सामने भिक्षा मांगकर अपनी आजीविका कमाते हैं। हमेशा की तरह 2 तारीख को भी जब तीन तीसरे पक्ष भिक्षा मांग रहे थे तो आरोपी दोपहिया वाहन पर वहां आये. आरोपियों ने उन थर्ड पार्टी को रोका और बहस करने लगे कि अगर हमें इस जगह पर भीख मांगनी है तो किश्तें चुकानी होंगी. लेकिन जैसे ही उसने मना किया तो मना करने वाले तीसरे शख्स ने उसे बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया.

जब अन्य तीसरे पक्ष के लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की गयी. इनमें से एक को आरोपी ने चाकू मार दिया. आरोपी यहीं नहीं रूका बल्कि नीचे गिरे घायल तीसरे पक्ष का चाकू से गला घोंटने की कोशिश की, लेकिन विरोध और चिल्लाने की वजह से आरोपी भाग गया। इस घटना में जबर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अस्पताल में जब वह बोलने में सक्षम हुआ तो पुलिस ने उसका बयान लेकर 4 तारीख को मामला दर्ज कर लिया. मामला दर्ज होते ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजीव धूमल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

दिल्ली की बैठक पीएम चेहरे को लेकर ही बैठक होगी - उद्धव ठाकरे

मुंबई: महाराष्ट्र के नतीजों में उद्धव ठाकरे और उनके सहयोगियों ने एनडीए को तगड़ा झटका दिया है. नतीजों के बाद उद्धव ठाकरे ने अपनी प्रतिक्रिया दी.

लोकसभा चुनाव के नतीजों पर शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस को सरकार बनाने के लिए दावा करना ही चाहिए. प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आम जनता ने अपनी ताकत क्या है, वो दिखा दी है. एक उंगली में कितनी ताकत है, वो बता दिया है. उन्होंने कहा कि बुधवार (5 जून) की दोपहर को दिल्ली में बैठक के लिए वो जाएंगे. उन्होंने कहा कि दिल्ली की बैठक पीएम चेहरे को लेकर ही बैठक होगी.

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जहां-जहां गए वहां चुनाव हार गए. उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं कहता हूं कि उनको हर जगह जाना चाहिए था. तब हर जगह हमारी जीत होगी. जितने लोगों ने हमारे ऊपर भरोसा जताया उनको धन्यवाद करता हूं.''' उद्धव ठाकरे ने सीएम एकनाथ शिंदे का नाम लिए बिना निशाना साधा. उन्होंने कहा, ''मेरी पार्टी का चुनाव चिह्न छीना गया.मेरे पिता की तस्वीर का इस्तेमाल कर चुनाव जीता. मैंने कभी नहीं कहा कि मैं परमात्मा हूं. मैंने अपनी लड़ाई लड़ी. ''' प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''अब असली नकली का पता चलेगा.मुझे नकली संतान कहा था. कहते हैं कि भगवान ने भेजा है.''' पीएम मोदी के ट्वीट पर उन्होंने कहा, ''मोदी अगर सामान्य व्यक्ति होते तो उनकी भलाई की कामना करते लेकिन वह खुद ही भगवान हैं.

नितिन गडकरी हो सकते हैं पीएम - संघ में मंथन !

मुंबई: याद कीजिये जब कुछ दिन पहले एक अफवाह उडी थी कि नितिन गडकरी इंडिया गठबंधन को ज्वाइन कर सकते हैं हांलाकि ये महज अफवाह थी लेकिन जगजाहिर है कि विपक्ष में भी गडकरी को सम्मान की नजर से देखा जाता है। अब ऐसे में जब ब्रांड मोदी को तगड़ा झटका लगा है तो क्या संघ बहुत बड़ा बदलाव करने का प्लान बना रहा है ?

2024 लोकसभा चुनावों में जहां बीजेपी को झटका लगा है, तो वहीं दूसरी ओर नागपुर लोकसभा सीट से बीजेपी के नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जीत का रिकॉर्ड बना रहे हैं । ऐसे में जब बीजेपी को अपने बूते पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिल रहा है। तब क्या नितिन गडकरी प्रधानमंत्री बन सकते हैं ? क्योंकि नितिन गडकरी के हमेशा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से हमेशा अच्छे रिश्ते रहे हैं।

यह भी संयोग है कि वह जिस लोकसभा का प्रतिनिधित्व करते हैं। संघ का मुख्यालय भी उसी में आता है। इस बर चुनावों में नितिन गडकरी नए संकल्प के साथ मैदान में उतरे थे। उन्होंने कहा बिना पोस्टर लगाए हुए चुनाव प्रचार किया था। नितिन गडकरी बीजेपी के ऐसे नेता है जिनके नाम पर विपक्ष के कुछ दल भी समर्थन दे सकते हैं। महाराष्ट्र से पीएम बनाए जाने की शर्त पर शिवसेना यूबीटी भी साथ आ सकती है। ऐसा करके संघ और बीजेपी शरद पवार की संभावित गुगली को बेकार कर सकती है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने चुनावों के बाद देवेंद्र फडणवीस को नितिन गडकरी के जरिए ही निशाने पर लिया था। राउत ने कहा था कि फडणवीस ने वहां पर सही से समर्थन नहीं दिया। फडणवीस भी

नागपुर से आते हैं। वे नागपुर से ही विधायक हैं।

गडकरी के घर के बाहर क्यों जुटी भीड़ : महाराष्ट्र और नितिन गडकरी के घर और कार्यालय के बाहर बेइंतहा भीड़ जुटी हुई है। उनके कार्यकर्ता और समर्थक लगातार गडकरी को पीएम बताते हुए नारेबाजी कर रहे हैं। संघ किसी नए चेहरे पर या यूं कहें कि नितिन गडकरी पर दांव खेल सकता है इस बात में मुझे इसलिए थोड़ा बहुत दम दिखता है क्योंकि भाजपा को बहुमत नहीं मिला है। एनडीए को बहुमत मिला है। ऐसे में पार्टी के भीतर चेहरा बदलने का दबाव तो रहेगा ही। सबको मंजूर हो ऐसा चेहरा लाने की कोशिश की जा सकती है, हालांकि यह तब होगा जब नरेंद्र मोदी के लिए सहमती न बने। मैं यह भी मानता हूं कि नीतीश कुमार और तेलगू देशम के लिए नितिन गडकरी एक सर्वमान्य चेहरा हो सकते हैं। वहीं यह बात भी किसीने छुपी नहीं है कि संगठन में लोग कई बातों से नाराज अप्रत्याशित नतीजें आए हैं, उसी तरह जाए तो कोई बड़ी बात नहीं।

दिल्ली से लेकर नागपुर तक यह चर्चा राजनीतिक गलियारों में है कि भाजपा को अपने बूते पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिल रहा है तो इस स्थिति में सरकार का चेहरा क्या हो सकता है। हाल ही में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भाजपा के साथ होने की जरूरत नहीं बताने वाले बयान से भी नागपुर पहले से ही बताया जा रहा है। नागपुर में संघ और महाराष्ट्र की राजनीति को बेहद करीब से देखने वाले ज्यादातर पत्रकार भी ऐसा ही कुछ बता रहे हैं। सवाल वही है कि अगर भाजपा को अपने बूते पर बहुमत नहीं मिला तो क्या नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम बनेंगे? वैसे विपक्ष के कई नेता खुले तौर पर नितिन गडकरी की तारीफ कर चुके हैं। नितिन गडकरी अपने बे-बाक बयानों और साफगोई के लिए जाने जाते हैं। गडकरी के घर के बाहर नारेबाजी : नतीजों के बाद नितिन गडकरी के नागपुर स्थित घर और कार्यालय के बाहर गडकरी के समर्थन में नारेबाजी हुई है। यह सारे दृश्य नागपुर संघ कार्यालय के बारे में अटकलें पैदा कर रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसका एक जवाब नागपुर में खोजा जा रहा है और मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का नाम एनडीए के अगले प्रधानमंत्री के तौर पर चलने लगा है। इसका बड़ा कारण भी है।

मुंबई : भारी गिरावट के बाद मूल्य-खरीदारी से बाजार में शुरूआती उछाल...

मुंबई: बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी ने बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ कारोबार की शुरूआत की, जबकि पिछले कारोबार में इन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा था। निचले स्तरों पर वैल्यू-खरीदारी के कारण बाजार में तेजी का रुख देखने को मिला। मंगलवार की तेज गिरावट के बाद जोरदार वापसी करते हुए 30 शेयरों वाला BSE सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 948.83 अंक चढ़कर 73,027.88 पर पहुंच गया।

NSE निफ्टी 247.1 अंक चढ़कर 22,131.60 पर पहुंच गया। जोमैटो ने ग्राहकों से दोपहर के व्यस्त समय में ऑर्डर न करने को कहा 543 सदस्यीय लोकसभा में एनडीए 272 के बहुमत के आंकड़े से ऊपर है, वहीं भाजपा 2014 के बाद पहली बार जादुई आंकड़े से चूक गई है और सरकार बनाने के लिए अपने सहयोगियों पर निर्भर है। चुनाव आयोग ने सभी 543 लोकसभा सीटों के नतीजे घोषित कर दिए हैं, जिसमें भाजपा ने 240 सीटें और कांग्रेस ने 99 सीटें जीती हैं। HCl टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और आईटीसी सबसे ज्यादा लाभ में रहीं। लार्सन एंड टुब्रो, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पिछड़ गए। ''अप्रत्याशित चुनाव परिणामों को आत्मसात करने में बाजार को कुछ समय लगेगा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''बाजार में स्थिरता जल्द ही लौटेगी, लेकिन जब तक मंत्रिमंडल और प्रमुख विभागों पर स्पष्टता नहीं हो जाती, तब तक अस्थिरता जारी रहेगी।'''

उन्होंने कहा कि बाजार में तेज गिरावट का एक सकारात्मक पहलू यह है कि अत्यधिक मूल्यांकन में थोड़ी नरमी आई है और मंत्रिमंडल के गठन और संरचना पर स्पष्टता आने के बाद इससे संस्थागत खरीद को बढ़ावा मिलेगा। एशियाई बाजारों में सियोल और हांगकांग में बढ़त दर्ज की गई, जबकि टोक्यो और शंघाई में गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.04 प्रतिशत गिरकर 77.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों FIIs) ने मंगलवार को 12,436.22 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। मंगलवार को बाजार में चार साल में सबसे खराब कारोबारी दिन रहा, क्योंकि 2014 के बाद पहली बार भाजपा जादुई आंकड़े से चूक गई। इएए बेंचमार्क सेंसेक्स मंगलवार को 4,389.73 अंक या 5.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ दो महीने से अधिक के निचले स्तर 72,079.05 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में, बैरोमीटर 6,234.35 अंक या 8.15 प्रतिशत गिरकर लगभग पांच महीने के निचले स्तर 70,234.43 पर आ गया। एनएसई निफ्टी दिन के दौरान 1,982.45 अंक या 8.52 प्रतिशत गिरकर 21,281.45 पर आ गया। बाद में, यह 1,379.40 अंक या 5.93 प्रतिशत की तीव्र गिरावट के साथ 21,884.50 पर बंद हुआ।

DHFL Scam: हाईकोर्ट ने गवाह को विदेश यात्रा की अनुमति दी, मूल अधिकार का हवाला दिया

मुंबई : विदेश यात्रा के अधिकार को वास्तव में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है, यह टिप्पणी बॉम्बे हाईकोर्ट ने संजय डांगी नामक एक व्यक्ति को 6 जून से 23 जून तक अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा करने की अनुमति देते हुए की। ठऊक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के रूप में ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रमोटर डांगी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने वधावन द्वारा प्रवर्तित दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (DHFL) से जुड़े कथित घोटाले की जांच में गवाह के तौर पर बुलाया था।

ऑथम इन्वेस्टमेंट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत है और इसकी कुल संपत्ति 9,500 करोड़ रुपये है। जस्टिस कमल खता और श्याम चांडक की अवकाश पीठ ने डांगी के खिलाफ उइक द्वारा जारी लुक आउट सर्कुलर (LOC) को 24 जून तक के लिए निलंबित कर दिया और 6 जून से 15 जून तक अमेरिका और 15 जून से 23 जून तक ब्रिटेन की यात्रा करने की अनुमति मांगने वाली उनकी याचिका को स्वीकार कर लिया।

डांगी के वकील निशांत चोथानी ने प्रस्तुत किया कि उनका नाम

सीबीआई द्वारा दायर आरोपपत्र में नहीं है। सीबीआई मामले में डांगी को गवाह के तौर पर गवाही देने के लिए एजेंसी ने बुलाया था। साथ ही, उन्हें पांच मौकों पर विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी और उन्होंने कभी भी उन पर लगाई गई किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया। सीबीआई के अधिवक्ता टीसी निर्भावने और एएम चिमलकर ने इस आधार पर याचिका का विरोध किया कि एजेंसी अब डांगी को ''गवाह से आरोपी की श्रेणी में स्थानांतरित करना चाहती है और उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करेगी''। मामले में कागजात और कार्यवाही का अनुसरण करने के बाद पीठ ने कहा कि सीबीआई ने डीएचएफएल और अन्य के खिलाफ मामले में आरोप पत्र दाखिल किया है और आज तक डांगी को आरोपी के तौर पर पेश नहीं किया है।

पीठ ने टिप्पणी की, ''निस्संदेह, आवेदक को गवाह के तौर पर भी नहीं दिखाया गया है।''' इसने इस बात को भी ध्यान में रखा कि डांगी को कुछ नियम और शर्तें लागू करने पर विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी। ''विदेश यात्रा के अधिकार को वास्तव में भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है। न्यायाधीशों ने रेखांकित किया कि यदि आवेदक (डांगी) को अभियुक्त के रूप में अभियोजित नहीं किया गया है, तो उसे विदेश यात्रा करने से नहीं रोका जाना चाहिए, खासकर तब जब लुक आउट सर्कुलर को चुनौती दी गई हो।

अदालत ने डांगी को अदालत में एक वचनबद्धता दाखिल करने पर विदेश यात्रा करने की अनुमति दी कि वह जांच एजेंसी को प्रदान किए गए ''यात्रा कार्यक्रम का सख्ती से पालन करेगा'' और वह 24 जून को या उससे पहले भारत लौट आएगा। साथ ही, उसे वचन देना होगा कि वह इन दिनों के दौरान केवल यूएसए और यूके की यात्रा करेगा और यात्रा कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com